बसरा की लाइब्रेरियन

(इराक से सच्ची कहानी)

जेनिट विंटर

The Librarian of Basra

(A True Story from Iraq)

Jeanette Winter

बसरा की लाइब्रेरियन (इराक से सच्ची कहानी) : जेनिट विंटर

The Librarian of Basra (A True Story from Iraq): Jeanette Winter

हिन्दी अनुवाद : अरविन्द गुप्ता

नव जनवाचन आंदोलन के तहत भारत ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा प्रकाशित

पुस्तकमाला संपादक : तापोश चक्रवर्ती

कॉपी संपादक : राधेश्याम मंगोलपुरी
रेखांकन : अविनाश देशपांडे (मूल चित्रों पर आधारित)
ग्राफिक्स : अभय कुमार झा

© भारत ज्ञान विज्ञान समिति

सहयोग राशि : 15 रुपये

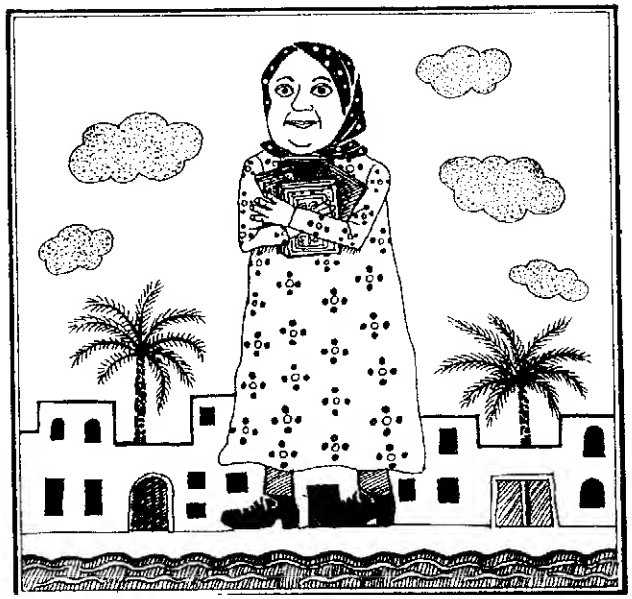

बसरा की लाइब्रेरियन

(इराक से सच्ची कहानी)

जेनिट विंटर

The Librarian of Basra

(A True Story from Iraq)

Written and illustrated by Jeanette Winter

"कुरान में खुदा ने मोहम्मद से जो
पहली बात कही वो थी, 'पढ़ो'।"

"In the Koran, the first thing God said
to Muhammad was 'Read.'"

रेतीले इराक में समुद्र के किनारे
बसरा नाम का एक बड़ा शहर है।
आलिया मोहम्मद बकर
बसरा की लाइब्रेरियन थीं।

Alia Muhammad-Baker
is the librarian of Basra,
a port city in the sand
swept country of Iraq.

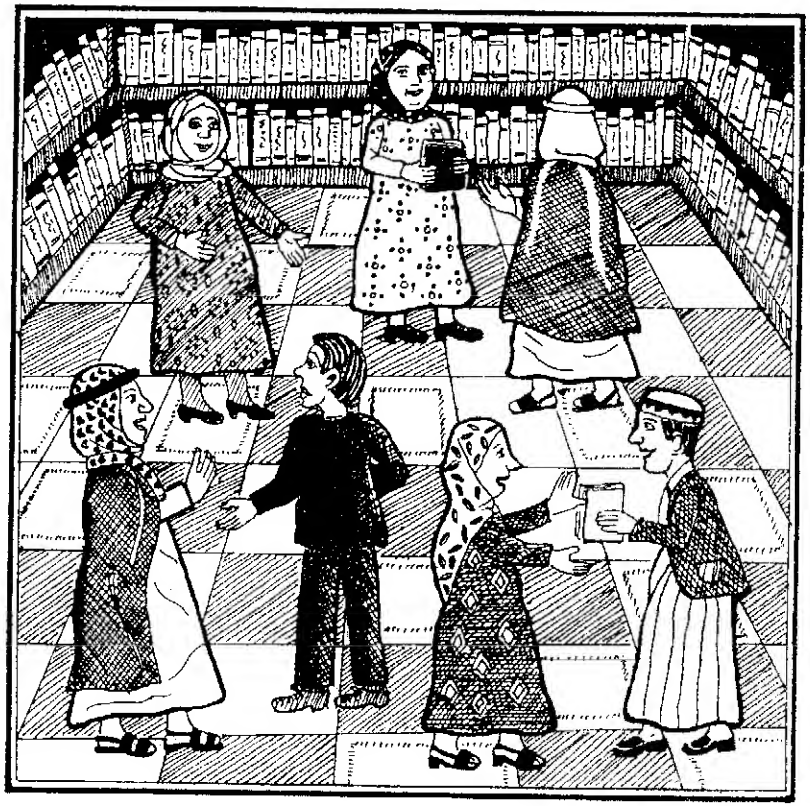

आलिया की लाइब्रेरी
सभी पुस्तक प्रेमियों के मिलने का अड्डा थी।
वहां दुनिया-जहां की चर्चा होती थी।
वहां लोग धर्म और आत्मा के
बारे में भी चर्चा करते थे।

Her library is a
meeting place for all who love books.
They discuss matters of the world
and the matters of the spirit.

पर यह सब
पुरानी बात है।
अब तो लोग
बस युद्ध और जंग
की ही बातें करते हैं।

Until now – now,
they talk
only of war.

आलिया को डर है कि कहीं जंग की आग में लाइब्रेरी की पुस्तकें न जल जाएं।
वो किताबें सोने के पहाड़ों से भी ज्यादा बेशकीमती थीं।
लाइब्रेरी में हरेक भाषा की किताबें थीं।
कुछ किताबें नई थीं, कुछ पुरानी।
लाइब्रेरी में मोहम्मद साहिब की एक जीवनी भी थी,
जो सात सौ साल पुरानी थी।
आलिया ने लाइब्रेरी को किसी सुरक्षित जगह पर
ले जाने के लिए बसरा के गवर्नर की अनुमति मांगी।
गवर्नर ने साफ इंकार कर दिया।

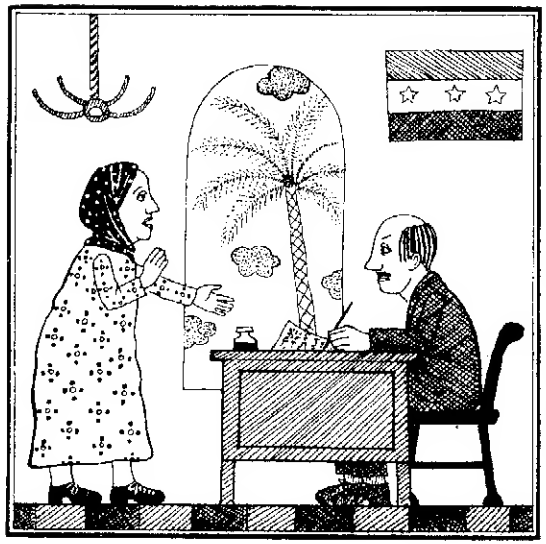

Alia worries that the fires of war will destroy the books,
which are more precious to her than mountains of gold.
The books are in every language – new books, ancient books,
even a biography of Muhammad that is seven hundred years old.
She asks the governor for permission to move them to a safe place.
He refuses.

तब आलिया ने खुद ही
इस काम को करने की ठानी।
काम खत्म होने के बाद वो हरेक रात को
छिपकर अपनी कार में किताबें भरती
और फिर उन्हें अपने घर ले आती।

So Alia takes matters into her own hands.
Secretly, she brings books home every night,
filling her car late after work.

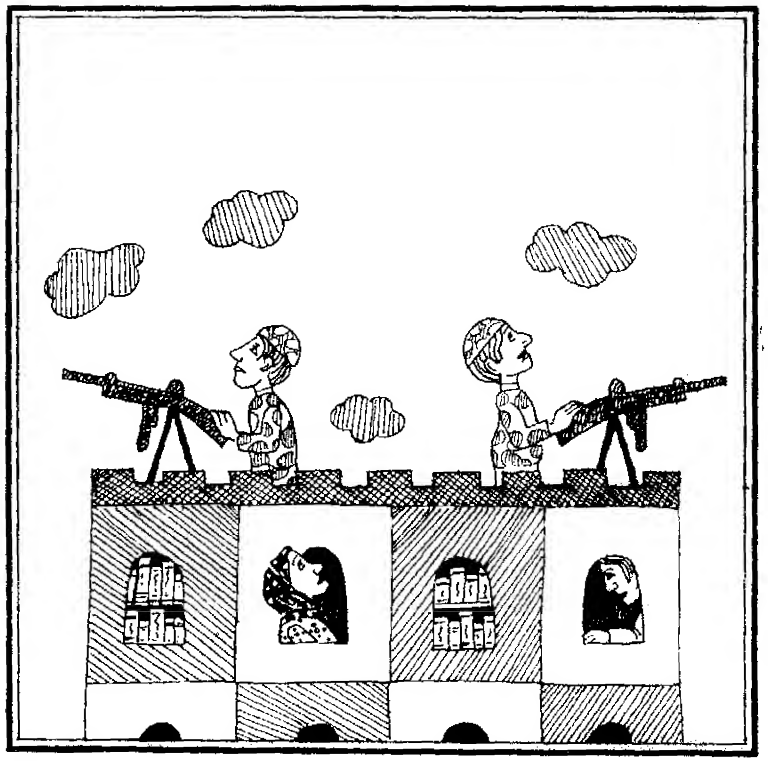

जंग की फुसफुसाहट
अब तेज गूंज में बदलने लगी।
सरकारी दफ्तरों ने लाइब्रेरी में आकर
अपना अड्डा जमाया।
छतों पर बंदूकधारी फौजी पहरा देने लगे।
आलिया बस इंतजार करती रही।
उसे एक भयंकर हादसे का डर था।

The whispers of war grow louder.
Government offices are
moved into the library.
Soldiers with guns wait on the roof.
Alia waits and fears the worst.

धीरे-धीरे अफवाहें
असलियत में बदलने लगीं।

Then ... rumours become reality.

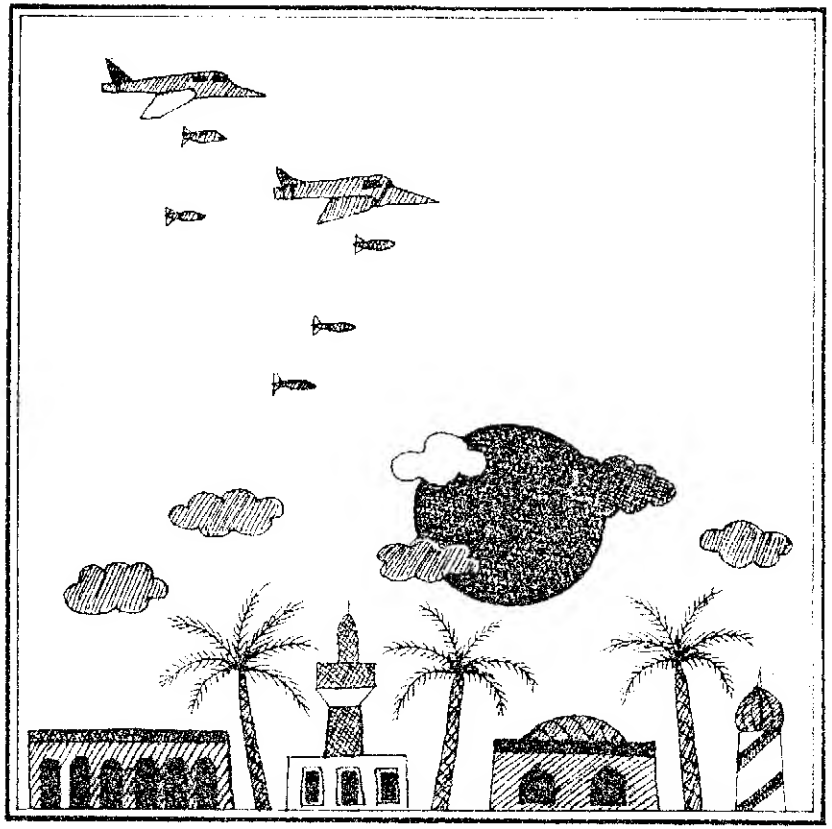

12

बसरा में जंग छिड़ गयी।

War reaches Basra.

पूरा शहर बम्बों की आग में झुलसने लगा।
बंदूकों के धमाके सभी ओर गूंजने लगे।

The city is lit with a firestorm
of bombs and gunfire.

धीरे-धीरे लाइब्रेरी में काम करने वाले सारे
लोग, सरकारी मुलाजिम और फौज के
सिपाही भी लाइब्रेरी को छोड़ कर चले गये।
आलिया इस नजारे को देखती रही।
आखिर में किताबों की हिफाजत
करने के लिए सिर्फ आलिया ही बची।

Alia watches as library workers,
government workers
and soldiers abandon the library.
Only Alia is left to protect the books.

आलिया ने दीवार के दूसरी ओर
अपने दोस्त अनीस मोहम्मद - एक होटल
के मालिक को आवाज लगायी।
"क्या तुम किताबें बचाने में
मेरी कुछ मदद कर सकते हो?"

She calls over the library wall
to her friend Anis Muhammad,
who owns a restaurant
on the other side.
"Can you help me
save the books?"

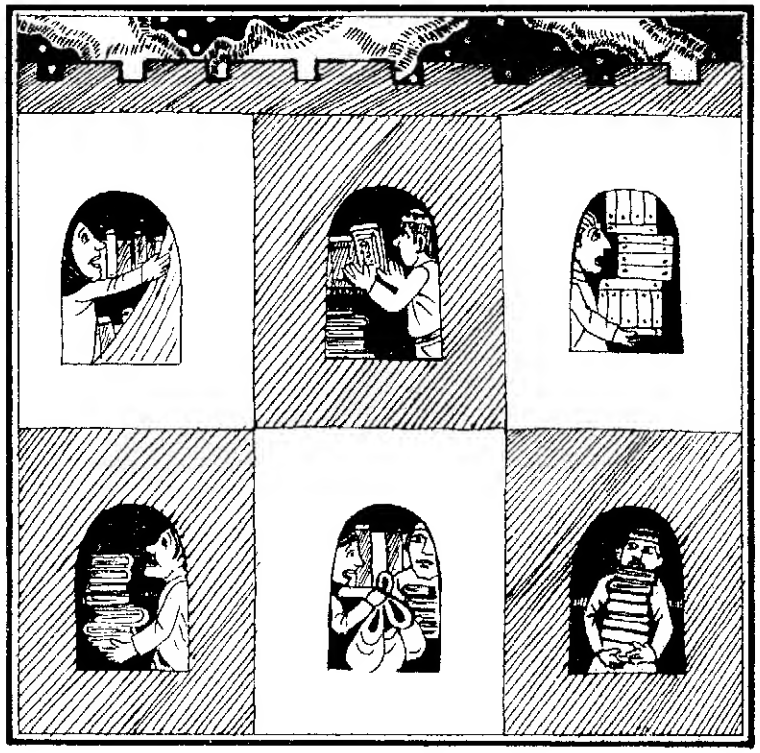

"मैं इन पर्दों में किताबें लपेट सकता हूं।"
"लो मेरी दुकान से गत्ते के डिब्बे
और पेटियां ले लो।"
"क्या तुम इन बोरियों का
इस्तेमाल कर सकती हो?"
"किताबों को तो किसी तरह बचाना ही है।"

"I can use these curtains to wrap them."
"Here are crates from my shop."
"Can you use these sacks?"
"The books must be saved."

सारी रात आलिया, अनीस और उसके भाई
और आस-पास के दुकानदार और पड़ोसी लाइब्रेरी
की अल्मारियों से किताबें निकाल-निकाल कर
उन्हें सात फीट ऊंची दीवार के ऊपर से ढोकर
अनीस के होटल में जाकर उन्हें छिपाते रहे।

All through the night,
Alia, Anis, his brothers,
and shopkeepers and neighbors
take the books
from the library shelves,
pass them over the seven-foot wall,
and hide them in Anis's restaurant.

किताबें सुरक्षित तरीके से छिपी रहीं।
युद्ध चलता रहा।

The books stay hidden
and the war rages on.

फिर नौ दिनों बाद लाइब्रेरी में आग लगी
और वो जल कर खाक हो गयी।

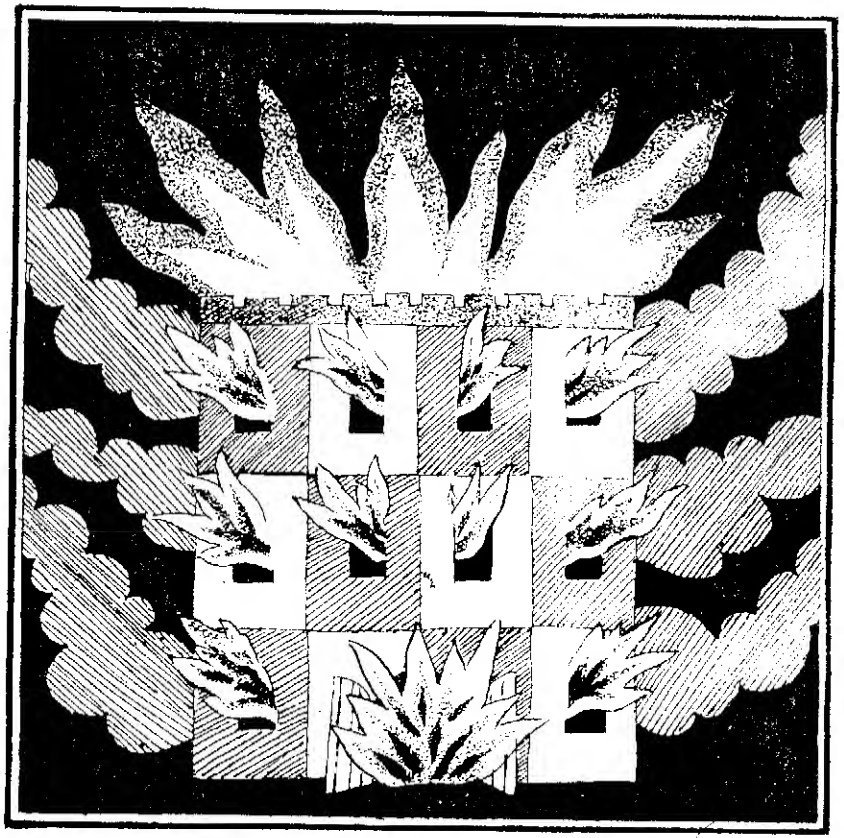

Then nine days later,
a fire burns the library to the ground.

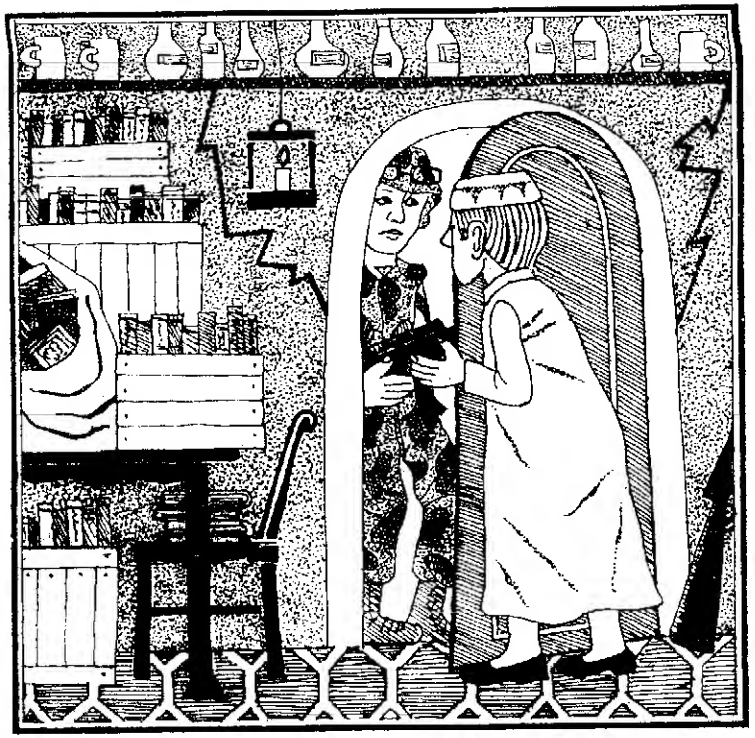

अगले दिन फौजी अनीस के होटल में आये।
"तुम्हारे पास यह बंदूक क्यों है?" उन्होंने पूछा।
"अपने धंधे की हिफाजत के लिए,"
अनीस ने जवाब दिया।
फौजी होटल की शिनाख्त
किये बिना ही चले गए।
अनीस मन-ही-मन खुश हुआ, "इन्हें क्या पता
कि मेरे होटल में समूची लाइब्रेरी छिपी है।"

The next day,
soldiers come to Anis's restaurant.
"Why do you have a gun?" they ask.
"To protect my business," Anis replies.
The soldiers leave without searching inside.
They do not know that the whole of the
library is in my restaurant, thinks Anis.

लड़ाई जारी रही।
आलिया को पता था कि
किताबों की ठीक से हिफाजत के लिए
शहर में शांति के समय
किसी और जगह पर जाकर छिपाना होगा।
वो एक भाड़े के ट्रक में लाइब्रेरी की
तीस हजार किताबों को अपने घर
और अपने दोस्तों के घरों में जाकर छिपाती है।

At last the beast of war moves on.
Alia knows that if the books are to be saved,
they must be moved again,
while the city is quite.
So she hires a truck to bring
all thirty thousand books
to her house and to the houses of friends.

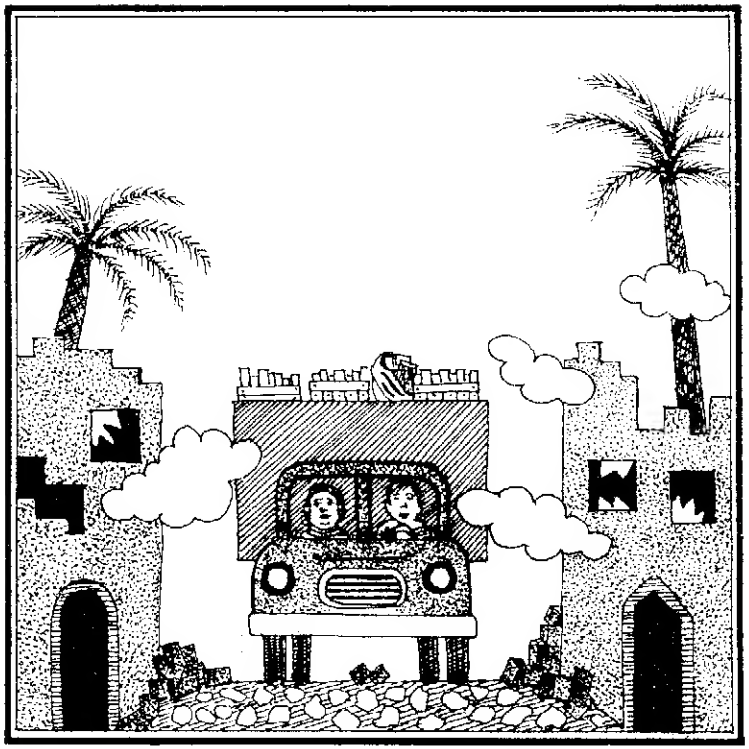

आलिया का सारा घर
किताबों से भर जाता है।
जमीन पर, अल्मारियों में,
खिड़कियों में, सभी तरफ
किताबें ही किताबें
नजर आती हैं।

In Alia's house
the books are everywhere,
filling floors and cupboards
and windows –

घर में बाकी किसी और चीज
को रखने की जगह ही नहीं बची।

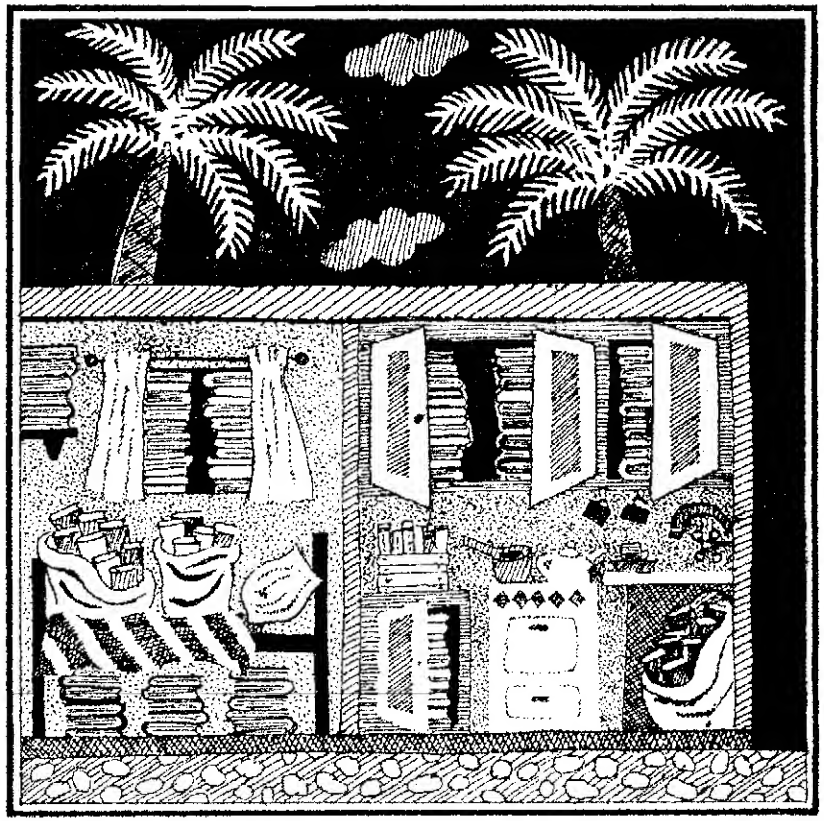

leaving barely enough room
for anything else.

आलिया इंतजार करती है।

Alia waits.

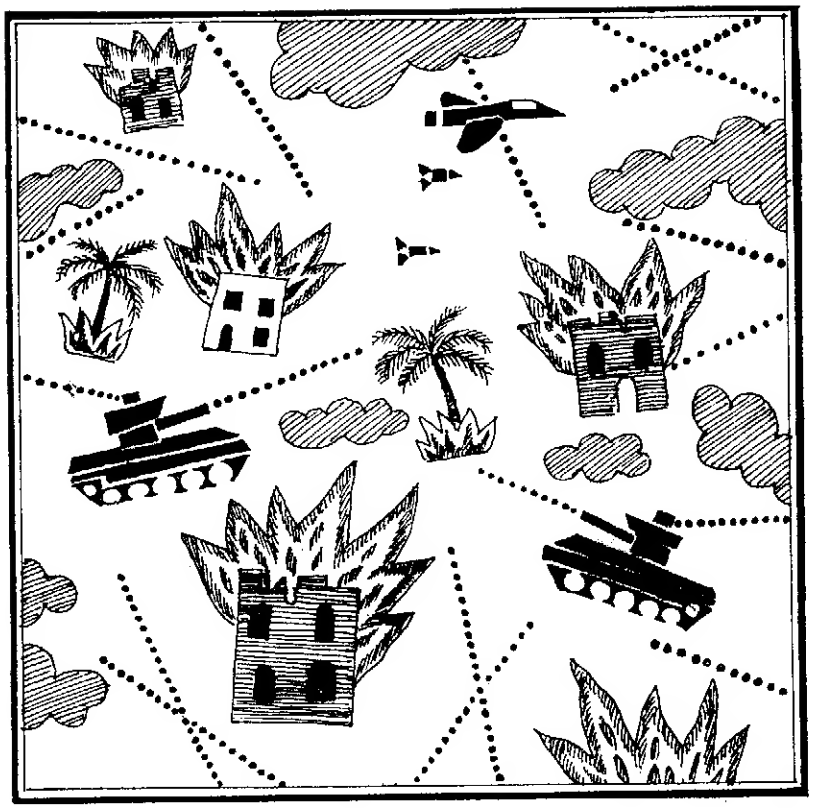

वो जंग के खत्म
होने का इंतजार करती है।

She waits for war to end.

वो इंतजार करती है
और अमन-चैन के
सपने संजोती है।

She waits,
and dreams of peace.

वो इंतजार करती है...

She waits...

और एक नयी लाइब्रेरी
का सपना संजोती है।

and dreams of a
new library.

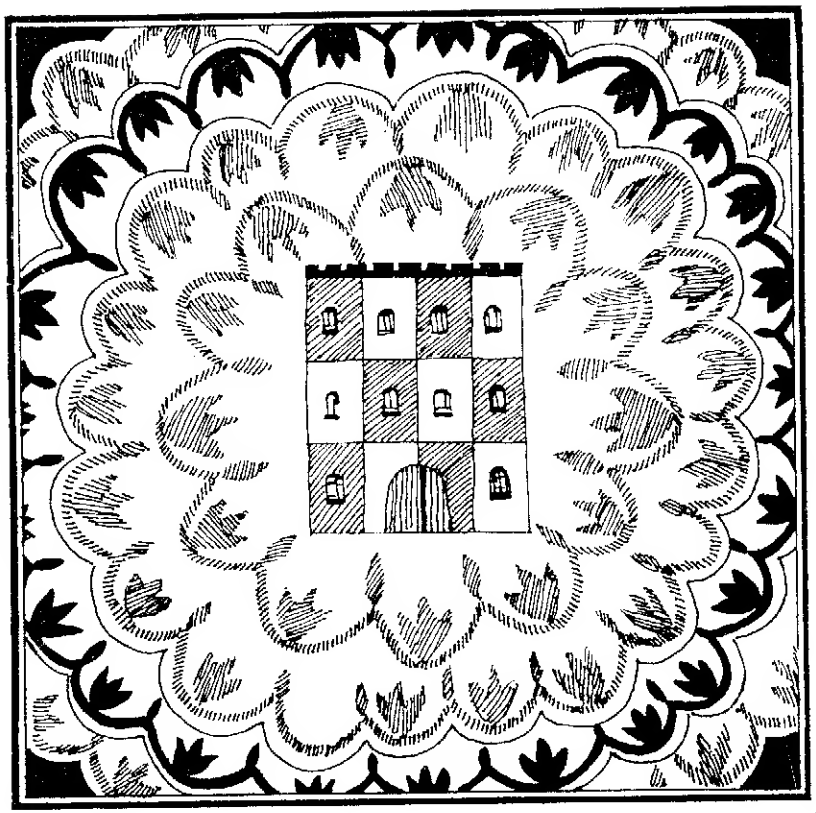

पर तब तक
सारी किताबें सुरक्षित हैं -
बसरा की लाइब्रेरियन के घर में।
❐

But until then,
the books are safe –
safe with the librarian of Basra.
❐

नव जनवाचन आंदोलन

यह एक सच्ची कहानी है। इराक में हाल की जंग में न केवल लोग मरे, बल्कि एक प्राचीन सभ्यता भी तबाह हुई। धमासान युद्ध के बीच एक जिंदादिल महिला लाइब्रेरियन ने बसरा की लाइब्रेरी को कैसे बचाया, इसकी बेमिसाल कहानी है यह।

This is a true story. In the Iraq war not were people killed but an ancient civilization was also destroyed. However, in the midst of bombs and fire, the lady librarian of Basra saves the library and a very precious heritage.

भारत ज्ञान विज्ञान समिति